MS-CIT
World-class Comprehensive Computer Course

Question Paper
Set- III
Std. – 10th MM/EM
Subject – हिंदी (संपूर्ण)

MKCL KLiC Courses
Gateway to Knowledge Lit Careers

Time : 3 Hrs **Mrks : 80**

सूचनाएँ –
१) सूचना के अनुसार गदय, पद्य, पूरक पठन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।
२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।
३) रचना विभाग (उपयोजित लेखन) में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।
४) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग १ – गद्य २०

प्र.१ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (८)

मुहल्लेवाले अपनी फुरसत से आते हैं। उस दिन जब सोनाबाई अपने चार बच्चों के साथ आई तो मुझे लगा कि आज फिर कोई दुर्घटना होगी। आते ही उन्होंने मेरी ओर इशारा करते हुए बच्चों से कहा – "ये देखो चाचा जी"! उनका अंदाज कुछ ऐसा था । जैसे चिड़ियाघर दिखाते हुए बच्चों से कहा जाता है – "ये देखो बंदर"!

बच्चे खेलने लगे। एक कुर्सी पर चढ़ा तो दूसरा मेज पर। सोनाबाई की छोटी लड़की दवा की शीशी लेकर कथकली डांस करने लगी। रप – रप की आवाज ने मेरा ध्यान बँटाया। क्या देखता हूँ कि सोनाबाई का एक लड़का मेरी टाँग के साथ लटक मेरी टाँग के साथ लटक रही रेती की थैली पर बॉक्सिंग की प्रैक्टिस कर रहा है। मैं इसके पहले कि उसे मना करता, सोनाबाई की लड़की ने दवा की शीशी पटक दी। सोनाबाई ने एक पल लड़की को घूरा, फिर हँसते हुए बोली – "भैया, पेड़े खिलाओ, दवा गिरना शुभ होता है। दवा गई समझो बीमारी गई।" इसके दो घंटों बाद सोनाबाई गई, यह कहकर कि फिर आऊँगी। मैं भीतर तक काँप गया।

१) आकृती में लिखिए: २

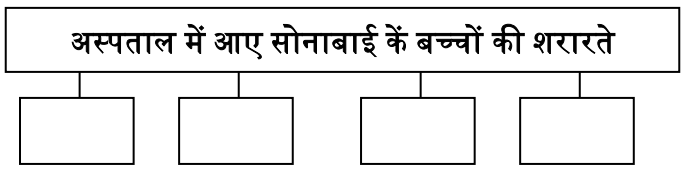

२) i) कारण लिखिए: १

अ) लेखक को लगा कि आज फिर कोई दुर्घटना होगी।
ब) सोनाबाई के अनुसार दवा गिरना शुभ होता है।

ii) निम्नलिखित गलत विधान सही करके लिखिए: १

अ) सोनाबाई की लड़की मेज पर चढ़कर कथकली डांस करने लगी।
ब) सोनाबाई जाते समय कहकर गई कि दुबारा अस्पताल कभी नहीं आऊँगी।

३) i) शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए: १

अ) वह स्थान जहाँ अनेक प्रकार के पशु – पक्षी रख जाते हैं - _____
ब) वह स्थान जहाँ रोगियों की चिकित्सा होती है - _____

ii) शब्द बनाइए: १

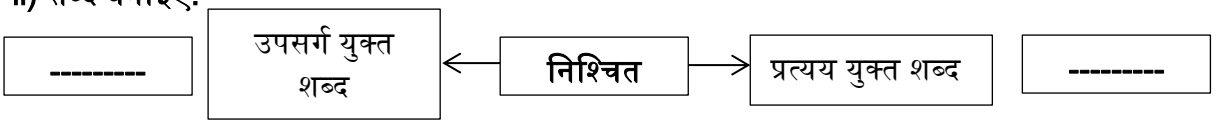

४) मरीज से मिलने जाते समय जो सावधानियाँ बरतनी चाहिए उनके बारे में अपने विचार लिखिए। २

प्र.१ आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[८]**

तिवारी जी	:	नागर जी, आप अपने समय के और कौन – कौन से लेखकों के संपर्क – प्रभाव में रहे?
नागर जी	:	जगन्नाथदास रत्नाकर, गोपाल राय गहमरी, प्रेमचंद, किशोरी लाल गोस्वामी, लक्ष्मीधर वाजपेयी आदि के नाम याद आते है। माधव शुक्ल हमारे यहाँ आते थे। वे आजानुबाहु थे, ढीला कुरता पहनते थे और कुरते की जेब में जलियाँवाला बाग की खून सनी मिट्टी हमेशा रखे रहते थे। १९३१ से ३७ तक मैं प्रतिवर्ष कोलकाता जाकर शरतचंद्र से मिलता रहा, उनके गाँव भी गया।
तिवारी जी	:	पुराने सहित्यकारों में आप किसको अपना आदर्श मानते हैं?
नागर जी	:	तुलसीदास को तो मुझे घुट्टी में पिलाया गया है। बाबा, शाम को नित्य प्रति 'रामचरितमानस' मुझसे पढ़वाकर सुनते थे। श्लोक जबरदस्ती याद करवाते थे।

१) संजाल पूर्ण किजिए:

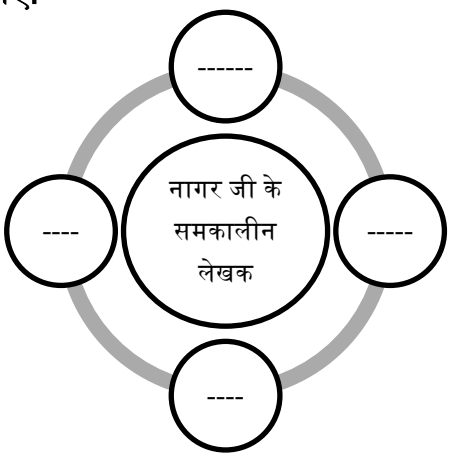

२) कृति पूर्ण किजिए : २

i) परिच्छेद में उल्लेखित

प्राचीन साहित्यकार और उनकी कृति

ii) माधव शुक्ल जी की विशेषताएँ

३) विलोम एवं पर्यायवाची शब्द लिखिए: २

विलोम	शब्द	पर्यायवाची
i) _____	शाम	_____
ii) _____	नित्य	_____

४) 'ज्ञान तथा आनंद प्राप्ति का साधन वाचन' पर अपने विचार लिखिए। २

प्र.१ इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[४]**

बातचीत में इस बात का ध्यान रखो कि कीसी के जी को दुखाने वाली बात कभी न कही जाए। वार्तालाप को जहाँ तक हो सके कटाक्ष, आक्षेप, व्यंग्य, उपालंभ, अश्लीलता से दूर रखना चाहिए। अधिकार के अभिमान में किसी के लिए कठोर शब्द का प्रयोग करना अपने को असभ्य साबित करना है। किसी नए व्यक्ति के साथ जान पहचान करने के लिए बातचीत में हद से ज्यादा उत्सुकता न प्रकट की जाए और जब तक बड़ी आवश्यकता न हो किसी की जाति, वेतन, उम्र, देश, धर्म आदि न पूछना चाहिए । कुछ पूछते समय प्रश्नों की झड़ी लगाना ठीक नहीं । अगर कोई सज्जन आपका प्रश्न सुनकर भी उसका उत्तर न दे तो उसके लिए उनसे अधिक आग्रह न करना चाहिए। यदि ऐसा जान पड़े कि यह व्यक्ति उत्तर देना भूल गया है, तो अवश्य नम्रतापूर्वक दूसरी बार उनसे प्रश्न किया जाए।

१) संजाल पूर्ण किजिए: २

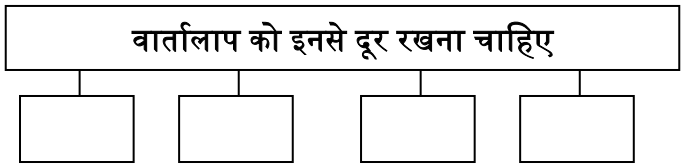

२) बातचीत के शिष्टाचार को जीवन में उतारने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। २

विभाग २ – पद्य

प्र.२ अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[६]**

चाहे सभी सुमन बिक जाएँ चाहे ये उपवन बिक जाएँ
चाहे सौ फागुन बिक जाएँ पर मैं गंध नहीं बेचूँगा
अपनी गंध नहीं बेचूँगा ॥
जिस डाली ने गोद खिलाया जिस कोंपल ने दी अरूणाई
लछमन जैसी चौकी देकर जिन काँटो ने जान बचाई
इनको पहिला हक आता है चाहे मुझको नोचें – तोड़ें
चाहे जिस मालिन से मेरी पँखुरियों के रिश्ते जोड़ें

१) संजाल पूर्ण किजिए : २

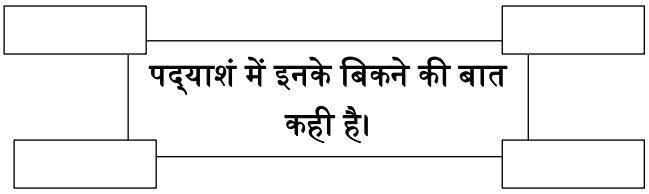

२) सूची बनाइए : २

इनका फूल से संबंध –

अ) डाली - ब) कोंपल - क) काँटे - ड) मालिन

३) अंतिम चार पक्तियों का भावार्थ सरल हिंदी में लिखिए। २

प्र.२ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[६]**

कृषी निरावहिं चतुर किसाना। जिमि बुध तजहिं मोह – मद – माना ॥
देखिअत चक्रबाक खग नाहीं। कलिहिं पाइ जिमि धर्म पराहीं ॥
विविध जंतु संकुल महि भ्राजा। प्रजा बाढ़ जिमि पाई सुराजा ॥
जहँ – तहँ रहे पथिक थकि नाना। जिमि इंद्रिय गन उपजे ग्याना ॥
कबहुँ प्रबल बह मारूत, जहँ – तहँ मेघ बिलाहिं।
जिमि कपूत के उपजे, कुल सद्धर्म नसाहिं ॥
कबहुँ दिवस महँ निबिड़ तम, कबहुँक प्रगट पतंग।
बिनसइ – उपजइ ग्यान जिमि, पाइ कुसंग – सुसंग ॥

१) **i) परिणाम लिखिए :** १

कलियुग का आगमन.....

ii) निम्न अर्थ को स्पष्ट करने वाली पंक्ति लिखिए : १

कपूत के कारण कुल की हानि.....

२) **i) निम्नलिखित शब्दों से तद्धित बनाइए :** १

१) चतुर - _____ २) विविध - _____

ii) पद्याशं में आई विलोम शब्दों को दो जोड़ियाँ ढूँढकर लिखिए : १

१) _____ × _____ २) _____ × _____

३) प्रस्तुत पद्याशं से अपनी पसंद की किन्ही चार पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। २

विभाग ३ – पूरक पठन

प्र.३ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **[४]**

"भष्टाचार एक ऐसा कीडा है जो देश को घुन की तरह खा रहा है। इसने सारी सामाजिक व्यवस्था को चिंताजनक स्थिति में पहुँचा दिया है। सच कहा जाए तो यह देश के लिए कलंक है.....।" अधिकारियों के चेहरे पर हल्की - सी मुस्कान और उत्सुकता छा गई। उसके तर्क में उन्हें रूचि महसूस होने लगी। दूसरे अधिकारी ने प्रश्न किया - "रिश्वत को आप क्या मानते हैं?" "यह भ्रष्टाचार की बहन है जैसे विशेष अवसरों पर हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देते हैं। इसका स्वरूप भी कुछ - कुछ वैसा ही है लेकिन उपहार देकर हम केवल खुशियों या कर्तव्यों का आदान - प्रदान करते हैं। इससे अधिक कुछ नहीं जबकि रिश्खत देने से रुके हुए कार्य,दबी हुई
दबी फाइलें, टलती हुई पदोन्नति, रोकी गई नौकरी आदि में इसके कारण सफलता हासिल की जा सकती है। तब भी यह समाज के माथे पर कलंक हैं - इसका समर्थन कतई नहीं किया जा सकता, ऐसी मेरी धारणा है।" कहकर वह तेजी से बाहर निकल आया। जानता था कि यहाँ भी चयन नहीं होगा।

१) **प्रवाह तालिका पूर्ण किजिए:** २

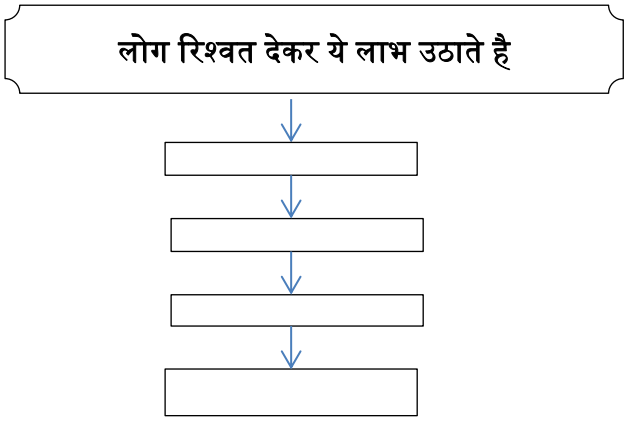

२) 'भ्रष्ट्राचार एक कलंक ' विषय पर अपने विचार लिखिए। २

प्र.३ आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

यो आप खफा क्यों होती हैं, टंटा काहे का आपस में।
हमसे तुम या तुमसे हम बढ़ – चढ़कर क्या रक्खा इसमें।
झगड़े से न कुछ हासिल होगा, रख देंगे बातें उलझा के।
बस बात पते की इतनी है, ध्रुव या रजिया भारत माँ के।
भारत माता के रथ के हैं हम दोनों ही दो – दो पहिये, आजी दो पहिये, हाँ दो पहिये।
हम उस धरती माँ की संतित हैं।

१) i) कृति पूर्ण किजिए : २

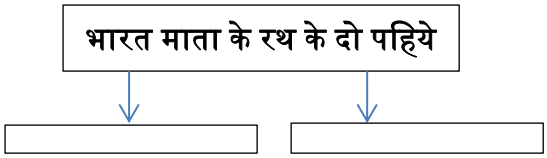

ii)

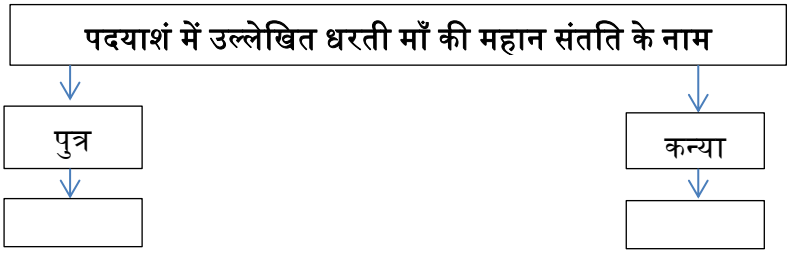

२) पद्याशं से प्राप्त संदेश लिखिए। २

विभाग ४ – भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.४ सूचना के अनुसार कृतियाँ किजिए।

१) अधोरेखित शब्द का भेद पहचानकर लिखिए। १

गोवा के स्थानीय लोग अपनी सांस्कृतिक परंपरा की उँगली अब भी पकडे हुए है।

२) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। (दो में से कोई एक) १

अ) अलावा ब) ओर

३) कृति पूर्ण कीजिए। (दो में से कोई एक) १

शब्द	संधि - विच्छेद	संधि – भेद
निश्चल	_____ + _____	_____

अथवा

_____	उत + नति	_____

४) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक सहायक क्रिया को पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए। १

१) टैक्सी एक पतली – सी सड़क पर दौड़ पडी।

२) आप भी अपनी रुचि के अनुसार हाथ आजमा सकते हैं।

५) निम्नलिखित में से किसी एक का क्रिया प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए। १

१) दौड़ना २) गाना

६) निम्नलिकित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। १

१) बोलबाला होना २) शेखी बघारना

अथवा

अधोरेखित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए। १

(एकटक देखना, भनक पड़ना)

दर्शनार्थी मंदिर में देवी जी की मूर्ति को लगातार देख रहे थे।

७) **निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारकों में से कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए।** १

मैंने तय किया कि आज किसी से नहीं मिलूगाँ।

कारक चिह्न	कारक भेद

८) **निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए।** १

क्रिकेट खिलाडी की प्रार्थना करते हुए उन्होंने कहा एक दिन तुम देश का नाम रोशन करोगे

९) **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन कीजिए।** २

१) गुरूदेव अपने समय पर स्नान करते है। (पूर्ण भूतकाल)

२) गोवा में मुझे मेरे पुराने अध्यापक मिले थे। (सामान्य भूतकाल)

३) बादल पृथ्वी के नजदीक आकर बरस रहे है। (सामान्य भविष्यकाल)

१०) **i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए।** १

अनेक वृक्षों में नई – नई कोंपलें आ गई हैं, जिससे वे हरे – भरे तथा सुशोभित हो गए है।

ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए।

१) गाय पास जाने वाले को सिर मारने की कोशिश करती। (मिश्र वाक्य) १

२) बेनालियम बीच उथला है पर मछुआरों की पहली पसंद है। (सरल वाक्य)

११) **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए।** २

i) जिंदगी हमारी अब नहीं बचेगी।

ii) राम ने हिरण का शिकार की।

iii) भाषा ईश्वर का बड़ा देन है।

विभाग ५ – उपयोजित लेखन

प्र.५ अ) सूचना के अनुसार लिखिए। ५

१) पत्रलेखन

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए।

i) A – 92, दिव्य लोक, सुभाष चौक, तिलकनगर, पुणे से साहिल देशपांडे पेड़ – पौधों की अनियंत्रित रूप से कटाई के लिए जिलाधीश महोदय, पुणे को पत्र लिखता है।

अथवा

ii) अनुराग छात्रावास, महात्मा गांधी मार्ग, नागपूर से विजय / विजया भालेराव अपने जीवन स्वप्न का वर्णन करते हुए अपने पिता जी को पत्र लिखता / लिखती है।

२) गद्य आकलन ५

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर परिच्छेद में एक-एक वाक्य में हो।

धन्य है वह ईंट, जो जमीन के सात हाथ नीचे जाकर गड़ गई और इमारत की पहली ईंट बनी। क्योंकि इसी पहली ईंट पर उसकी मजबूती और पुख्तेपन पर सारी इमारत की अस्ति-नास्ति निर्भर करती है। उस ईंट को हिला दीजिए, कंगूरा बेतहाशा जमीन पर आ रहेगा। कंगूरे के गीत गाने वाले हम आइए, अब नींव के गीत गाएँ। वह ईंट, जो सब ईंटों से ज्यादा पक्की थी, यदी ऊपर लगी होती तो कंगूरे की शोभा | सौ गुनी कर देती। किंतु इमारत की पायदारी उसकी नींव पर मुनहसिर होती है, इसलिए उसने अपने को नींव में अर्पित कर दिया। सुंदर सृष्टि हमेशा ही बलिदान खोजती है। बलिदान ईंट का हो या व्यक्ति का। सुंदर इमारत बने, इसलिए कुछ पक्की-पक्की लाल ईंटों को चुपचाप नींव में जाना है। सुंदर समाज बने, इसलिए कुछ तपे तपाए लोगों को मौन-मूक शहादत का

लाल सेहरा पहनना है।

५

आ) सूचना के अनुसार लिखिए।

१) वृत्तांत – लेखन

अपने विद्यालय के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का वृत्तांत ६० से ८० में लिखिए।
(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख आवश्यक है।)

अथवा

कहानी लेखन ५

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग ७० से ८० शब्दों में कहानी लिखकर उससे मिलने वाली सीख लिखिए व उसे उचित शीर्षक दीजिए

भिखारी – भीख माँगना – एक व्यक्ति का रोज देखना – फूलों का गुच्छा देना – भिखारी का फूल बेचना – मंदिर के सामने दुकान खोलना – सीख।

२) विज्ञापन लेखन ५

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

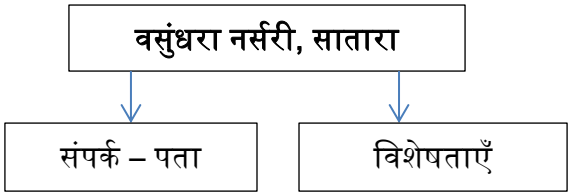

३) निबंध लेखन

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए। ७

१) विज्ञान के चमत्कार २) पानी की समस्या और उपाय ३) फूल की आत्मकथा